श्रीफल जैन न्यूज

बच्चों मेरे और भी गुण हैं। वह फिर कभी बताऊंगा। मुझे सब गुरु कहते हैं। बच्चों, तुम्हें पता है कि जैन धर्म में मुनियों को ही गुरु कहते हैं। बच्चों, वैसे मुझे साधु, संत, श्रवण, संयत, ऋषि, वीतरागी, अनगार, यति नाम से भी बुलाते हैं। और भी कई नामों से मुझे स्मरण करते हैं। मुझे चावल, फल आदि चढ़ाकर नमोस्तु कहकर मेरा विनय भी करते हैं। मैं हूं गुरु (साधु)। तो तुम मेरी संगति करोगे ना ?